भजन

तर्ज–हम तुम्हे चाहते है ऐसे.....

राजश्यामा जी मेरे पिया है,इसमे शक ही नही
वो खुदाओं में सबसे जुदा है
1–हमने उम्मीद झूठी लगाई
भूल बठै थे मूल सगाई
निकाला है जिस कदर जान सकता नही ये जहां है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....
2–देखी माया नही उनको देखा
रहे शक में नही हमने परखा
देखो उनकी मेहर,
फिर भी रहते वो हमपे फिदा है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....
3–हादी ने कैसे नजरों लिया है,
कैसी थी क्या से क्या कर दिया है
थी न काबिल मगर जान के अपनी निसबत दिया है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....
4–जाम मस्ती के साकी पिलाये
अर्श के सुख फर्श पर दिखाये
कुल के मालिक हैं जो वह मेरे महबूब ही मेहरबां है
राजश्यामा जी मेरे पिया.....